हरिभूमि
कोरबा भूमि

बिलासपुर, शनिवार 9 मई 2026

[दीपका | कटघोरा | छुरी | पाली | करतला | पोड़ीउपरोड़ा]

A Project By
MATASHRI REALITIES

RERA CHHATTISGARH
PCGRERA060426002078

जहाँ हर प्लॉट बने आपके घर की शुरुआत...

Site Address : Pooja Residency, Before Housing Board Colony, Chilhati, Mopka, Bilaspur (C.G.)

DISTANCE

Railway Station - 8 Km.
Appolo Hospital - 6 Km.
Petrol Pump - 0.4 Km.
RTO Office - 2 Km.
Brilliant School - 6 Km.
DAV Public Schoool - 6Km.

AMENITIES

- BT Road
- Grand Entrance Gate
- Solar Street Light
- Transformer as per CSPDCL Norm
- Garden
- Water Supply each Plot
- Rain water Harvesting

BANK PARTNER

SBI | HDFC BANK | Central Bank of India | kotak Kotak Mahindra Bank | LIC HFL LIC HOUSING FINANCE LTD | ICICI Bank

*T&C Apply

Contact For Booking

ANIL KUMAR AGRAWAL : Mo.: 9826528900, 7000175594
SARTHAK AGRAWAL : Mo.: 7999765949, 9009555591
UMAKANT RATHORE : Mo.: 9329960336

Developers:

Mathashri Realities Office No.- 204/206, 2nd Floor, Infinity Buisiness Park, Vyapar Vihar Zone No.-1, Taramandal Road, Bilaspur (C.G.) 495001

Web : www.poojaresidency.co.in
Email : abrointrade@gmail.com

खबर संक्षेप

एनएसयूआई जिला अध्यक्ष ने बुनियादी सुविधाओं को लेकर खोला मोर्चा

कोरबा। हरदीबाजार स्थित शासकीय ग्राम्य भारती महाविद्यालय में बुनियादी सुविधाओं के अभाव को लेकर एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) मनमोहन राठौर ने तीखा रुख अपनाया है। उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि क्षेत्र के अधिकारी सो रहे हैं जबकि छात्र-छात्राएं भीषण गर्मी और पानी की कमी से जूझ रहे हैं। राठौर ने उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा को पत्र लिखकर पूरे मामले से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि काला हीरा कहे जाने वाले कोरबा जिले में ही छात्रों को पीने का पानी तक नसीब नहीं हो रहा, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। कॉलेज फिलहाल पोटा केबिन (अस्थायी भवन) में संचालित है, जहां टिन शेड के कारण गर्मी असहनीय हो जाती है। पहले भी 2 मार्च एवं 20 अप्रैल को कलेक्टर को आवेदन दिया गया था लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही पानी और ए.सी. जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गईं, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। मामला अब राजनीतिक रूप से गरमाता जा रहा है।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना से युवाओं को मिलेगा रोजगार उन्मुख अवसर

कोरबा। जिले के युवाओं के लिए प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना एक महत्वपूर्ण अवसर लेकर आई है। इस योजना के माध्यम से युवाओं को कंपनियों एवं संस्थानों में इंटर्नशिप करने का अवसर प्रदान किया जाएगा, जिससे उन्हें वास्तविक कार्य अनुभव प्राप्त होगा तथा भविष्य में बेहतर रोजगार संभावनाएँ विकसित होंगी। योजना के अंतर्गत चयनित युवाओं को लगभग 9 हजार रूपए प्रतिमाह की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। 6 से 9 माह की अवधि तक मिलने वाला यह कार्य अनुभव युवाओं के कौशल, आत्मविश्वास और व्यावसायिक दक्षता को सुदृढ़ करेगा। युवाओं को योजना से जोड़ने हेतु माय भारत प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जा रहा है। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का मुख्य उद्देश्य युवाओं को उद्योगों की कार्यप्रणाली से जोड़ना और उन्हें रोजगार योग्य बनाना है। यह योजना विशेष रूप से उन छात्रों और युवाओं के लिए अत्यंत लाभकारी है जो पढ़ाई के साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर अपने करियर को दिशा देना चाहते हैं।

धरमजयगढ़ की ओर रुख किए चार हाथी, तो दूसरी ओर 11 हाथियों ने तबाह की बाड़ी

कोरबा। कटघोरा वनमंडल अंतर्गत जटगा रेंज में हाथियों का उत्पात जारी है। यहां के मेड़उड़ पहाड़ में 33 हाथियों का झुंड विचरण कर रहा है। जबकि 11 हाथी पहाड़ से नीचे उतरकर धोबघट के जंगल में डेरा डाले हुए हैं। हाथियों का यह दल लगातार उत्पात मचाकर वन विभाग व ग्रामीणों के नाकों में दम कर दिया है। बीती रात हाथियों का 11 सदस्यीय दल धोबघट गांव के निकट पहुंच गया और वहां पर स्थित बाड़ी में प्रवेश कर वहां लगे सब्जी के पौधों को उत्पात मचाते हुए तहस-नहस कर दिया, जिससे संबंधित ग्रामीणों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। दो दिन पहले भी हाथियों का दल इसी बाड़ी में उत्पात मचाया था और सब्जी के पौधों को नुकसान पहुंचाने के साथ तहस-नहस कर दिया था। हाथियों का झुंड दोबारा बाड़ी में घुसा और उत्पात मचाया। बाड़ी मालिक को हाथियों के उत्पात का पता आज सुबह तब चला जब वे अपने बाड़ी में पहुंचे तो उसे उजड़ा हुआ पाया। तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। जिस पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंचकर रात में हाथियों द्वारा किए गए नुकसानी के आंकलन में जुट गए हैं। हाथियों ने बाड़ी को उजाडऩे के बाद फिर जंगल का रूख किया और वहां पहुंचकर विश्राम करने लगा है। हाथियों के लगातार उत्पात से ग्रामीण दहशत में है। इधर कोरबा वनमंडल के कुदमुरा रेंज में मौजूद 4 हाथियों ने धरमजयगढ़ का रूख कर लिया है।

डोंगानाला के स्वसहायता समूह को मिला 21 लाख रुपए का लाभांश

कोरबा। पाली विकासखंड अंतर्गत डोंगानाला स्थित वन धन विकास औषधि प्रसंस्करण केंद्र से जुड़ी महिला स्वसहायता समूह हरि बोल को वन औषधि उत्पादों के विक्रय से 20 लाख 75 हजार रुपए का लाभांश प्राप्त हुआ है। राशि मिलने से समूह की महिलाओं में खुशी की लहर है और उनके चेहरे उत्साह से खिल उठे हैं समूह की सदस्यों ने इस उपलब्धि के लिए प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग श्रीमती निहारिका बारिक सिंह का आभार जताया। जिनके निर्देश पर वन विभाग द्वारा लाभांश राशि का भुगतान सुनिश्चित किया गया। उल्लेखनीय है कि वन धन केंद्र के माध्यम से तैयार हर्बल एवं वन औषधि उत्पादों का विक्रय नियमित रूप से किया जा रहा है। मार्ट के अलावा आयुष को भी बड़े पैमाने पर उत्पाद उपलब्ध कराए गए हैं। केंद्र द्वारा आयुष को कुल 2 करोड़ 55 लाख रुपए के हर्बल उत्पादों का विक्रय किया गया, जिसमें हिंग्वाष्टक चूर्ण, शतावरी चूर्ण, अविपत्तिकर चूर्ण, शितोप्लादी चूर्ण एवं अर्जुनत्वक चूर्ण जैसे उत्पाद शामिल हैं। प्रमुख सचिव श्रीमती सिंह ने 16 अप्रैल 2026 को जिले के प्रवास के दौरान वन विभाग को निर्देश दिए थे कि विक्रय से प्राप्त राशि का लाभांश शीघ्रता से संबंधित स्वसहायता समूह को प्रदान किया जाए। उनके निर्देशों के परिपालन में यह राशि समूह के खातों में अंतरित की गई है।

इस वर्ष 76.78 अंक के साथ एसईसीएल ने हासिल की वेरी गुड रैंकिंग

एसईसीएल की रेटिंग में आई गिरावट एक्सीलेंट से वेरी गुड श्रेणी में पहुंची कंपनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनियों के वित्तीय वर्ष 2024-25 के एमओयू स्कोर और रेटिंग जारी कर दी गई है। इस बार एसईसीएल की रेटिंग में गिरावट दर्ज की गई है। कंपनी को 76.78 अंक के साथ वेरी गुड रेटिंग प्राप्त हुई है, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 में एसईसीएल को एक्सीलेंट रेटिंग मिली थी। रेटिंग में आई इस गिरावट का असर अब

खास बात

- रैंकिंग में गिरावट, एसईसीएल अधिकारियों के पीआरपी राशि में आएगी कमी

अधिकारियों को मिलने वाले परफॉर्मेंस रिलेटेड पेमेंट (पीआरपी) पर भी दिखाई देगा। पिछले वर्ष एक्सीलेंट रेटिंग मिलने के कारण एसईसीएल अधिकारियों को बेहतर पीआरपी भुगतान मिला था, लेकिन इस बार वेरी गुड रेटिंग मिलने से भुगतान राशि में कमी आने की संभावना है। एसईसीएल में करीब 2400 अधिकारी कार्यरत हैं, जिन पर इस निर्णय का सीधा प्रभाव पड़ेगा।

उल्लेखनीय है कि कोल इंडिया बोर्ड की 490वीं बैठक में लिए गए निर्णय के बाद वित्तीय वर्ष 2024-25 के एमओयू प्रदर्शन मूल्यांकन परिणामों को लेकर आधिकारिक आदेश जारी किया गया। इसमें कोल इंडिया की सभी सहायक कंपनियों और सीएमपीडीआईएल के प्रदर्शन का मूल्यांकन शामिल किया गया है। जारी रिपोर्ट के अनुसार कोल इंडिया की चार कंपनियों ने 90 से अधिक अंक प्राप्त करते हुए एक्सीलेंट श्रेणी हासिल की है। इनमें सीएमपीडीआईएल, एमसीएल, डब्ल्यूसीएल और एनसीएल शामिल हैं। इन कंपनियों का प्रदर्शन उत्पादन, परिचालन दक्षता, वित्तीय उपलब्धियों और तय लक्ष्यों की प्राप्ति के आधार पर उत्कृष्ट माना गया है। वहीं एसईसीएल के अलावा बीसीसीएल और सीसीएल को वेरी गुड रेटिंग मिली है। हालांकि एसईसीएल का स्कोर अन्य दोनों कंपनियों की तुलना में बेहतर माना जा रहा है, लेकिन पिछली बार की एक्सीलेंट रेटिंग की तुलना में यह गिरावट कंपनी प्रबंधन और अधिकारियों के लिए चिंता का विषय बन गई है। रिपोर्ट में ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) का प्रदर्शन सबसे कमजोर दर्ज किया गया है। कंपनी को 57.59 अंक प्राप्त हुए हैं और उसे गुड रेटिंग दी गई है। मूल्यांकन के आधार पर यह प्रदर्शन अन्य सहायक कंपनियों की तुलना में काफी नीचे माना जा रहा है। जानकारों के अनुसार एसईसीएल की रेटिंग घटने के पीछे सबसे बड़ा कारण वित्तीय वर्ष 2024-25 में अपेक्षा से कम कोयला उत्पादन रहा। पिछले तीन वर्षों की तुलना में इस बार कंपनी का उत्पादन सबसे कम रहा। एसईसीएल ने वर्ष 2024-25 में करीब 167 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया, जो निर्धारित लक्ष्य और पूर्व वर्षों के प्रदर्शन की तुलना में कमजोर माना जा रहा है। हालांकि एमओयू मूल्यांकन केवल उत्पादन के आधार पर नहीं किया जाता। इसमें परिचालन दक्षता, वित्तीय प्रदर्शन, लागत नियंत्रण, पर्यावरणीय प्रबंधन, सुरक्षा मानक, परियोजनाओं का क्रियान्वयन, उत्पादकता और प्रशासनिक क्षमता जैसे कई मानकों को भी शामिल किया जाता है। इन सभी बिंदुओं के आधार पर कंपनियों को अंक दिए जाते हैं और उसी के अनुसार उनकी रेटिंग तय होती है। एमओयू यानी मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग प्रणाली के तहत केंद्र सरकार सार्वजनिक उपक्रमों के प्रदर्शन का वार्षिक मूल्यांकन करती है। यह प्रक्रिया वित्त मंत्रालय के अधीन आने वाले लोक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा संचालित की जाती है।

उत्पादन लक्ष्य के आधार पर तय की जाती है रेटिंग

डीपीई केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए वार्षिक लक्ष्य निर्धारित करता है और कंपनियों के वास्तविक प्रदर्शन की तुलना इन लक्ष्यों से कर उन्हें अंक और रेटिंग प्रदान करता है। रेटिंग की प्रमुख श्रेणियों में एक्सीलेंट, वेरी गुड, गुड, फेयर और पुअर शामिल हैं। इसी रेटिंग के आधार पर कंपनियों के अधिकारियों और कर्मचारियों को मिलने वाले पीआरपी की राशि तय होती है। कोल इंडिया लिमिटेड को उसकी सहायक कंपनियों के समग्र प्रदर्शन के आधार पर 84.46 अंक प्राप्त हुए हैं। इसके आधार पर कंपनी को वेरी गुड रेटिंग दी गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कुछ प्रमुख सहायक कंपनियों का प्रदर्शन और बेहतर रहता तो कोल इंडिया को भी एक्सीलेंट श्रेणी मिल सकती थी।

रेटिंग के आधार पर तय होती है पीआरपी

एसईसीएल अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच इस बार की रेटिंग चर्चा का विषय बनी हुई है। खासकर पीआरपी भुगतान में संभावित कमी को लेकर अधिकारियों में असंतोष देखा जा रहा है। अधिकारियों का मानना है कि उत्पादन संबंधी चुनौतियों, मौसम, परिवहन बाधाओं और कई प्रशासनिक कारणों का असर कंपनी के समग्र प्रदर्शन पर पड़ा है। वहीं प्रबंधन स्तर पर अब आगामी वित्तीय वर्ष में उत्पादन और परिचालन सुधार पर विशेष जोर दिए जाने की संभावना जताई जा रही है ताकि कंपनी फिर से एक्सीलेंट श्रेणी में वापसी कर सके।

शहीद वीर नारायण चौक से हटाई गईं सड़क किनारे दुकानें

अतिक्रमण के खिलाफ कार्यवाही करती पुलिस व प्रशासन की टीम।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

कटघोरा नगर पालिका परिषद क्षेत्र के मुख्य चौराहा शहीद वीर नारायण चौक में शुक्रवार को प्रशासन ने सड़क पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। कटघोरा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तन्मय खन्ना के निर्देश पर नगर

खास बात

- कटघोरा में प्रशासन ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

पालिका और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने सड़क किनारे लगाई गई अस्थायी दुकानों को हटवाया। प्रशासनिक टीम ने बिलासपुर मार्ग स्थित मुख्य चौक के आसपास सड़क किनारे फल, सब्जी, गन्ना रस, कपड़े एवं अन्य छोटे व्यापारियों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाया। इसके साथ ही चौक के चारों ओर बांस लगाकर लगाए गए अवैध होर्डिंग्स को भी हटाने की कार्रवाई की गई।

प्रशासन का कहना है कि सड़क किनारे अव्यवस्थित तरीके से दुकानें लगने के कारण यातायात प्रभावित हो रहा था और दुर्घटना की आशंका बनी रहती थी। कार्रवाई के दौरान कुछ दुकानदारों ने नाराजगी भी जाहिर की। उनका कहना था कि गर्मी के मौसम में मौसमी फल बेचकर ही उनका रोजगार चलता है, ऐसे में उन्हें हटाना गलत है। व्यापारियों ने प्रशासन से वैकल्पिक व्यवस्था की मांग भी की। वहीं इस पूरे मामले में कटघोरा एसडीएम तन्मय खन्ना ने कहा कि शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू और सुरक्षित बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि कार्रवाई से पहले दुकानदारों को सूचना दी गई थी, लेकिन अतिक्रमण नहीं हटाए जाने के कारण प्रशासन को मजबूरी में कार्रवाई करनी पड़ी। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि आने वाले दिनों में बस स्टैंड और मुख्य मार्गों पर भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि शहर को सुंदर, व्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से यह अभियान लगातार जारी रहेगा। कार्रवाई के दौरान नगर पालिका परिषद कटघोरा के सीएमओ मुद्रिका प्रसाद तिवारी, कटघोरा एसडीओपी विजय सिंह राजपूत, थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी सहित पुलिस बल और नगर पालिका के कर्मचारी मौजूद रहे।

51 जोड़ों का नि:शुल्क सामूहिक कन्या विवाह सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

सामूहिक कन्या विवाह के दौरान उपस्थित अतिथि।

छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के प्रांतीय चेयरमैन अशोक मोदी ने बताया कि संगठन के द्वारा सामाजिक सेवा एवं मानवीय मूल्यों को समर्पित नि:शुल्क सामूहिक कन्या विवाह समारोह का भव्य आयोजन 3 मई को रायपुर स्थित श्रीराम

खास बात

- छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन द्वारा आयोजित हुआ कार्यक्रम

मंदिर परिसर में अत्यंत गरिमामय एवं भावनात्मक वातावरण में सम्पन्न हुआ। संगठन की इस अनुकरणीय पहल की सभी समाजों एवं वर्गों के लोगों ने मुक्तकंठ से सराहना करते हुए इसे सामाजिक समरसता और सेवा भावना का प्रेरणादायी उदाहरण बताया।

समारोह में पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश से चयनित कुल 51 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे, जिनमें कोरबा जिले से भी 5 जोड़े शामिल रहे। सभी विवाह वैदिक मंत्रोच्चार, पारंपरिक रीति-रिवाज एवं विधि-विधान के साथ सम्पन्न कराए गए। पूरे आयोजन स्थल को आकर्षक रूप से सजाया गया था तथा विवाह समारोह में पारिवारिक आत्मीयता एवं भारतीय संस्कृति की सुंदर झलक देखने को मिली। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, बसना विधायक संपत अग्रवाल सहित सिंधी समाज, सिख समाज, गुजराती समाज, साहू समाज, क्षत्रिय समाज एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के अनेक वरिष्ठ जन विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सुखद, समृद्ध एवं मंगलमय वैवाहिक जीवन की कामना की। समारोह में बड़ी संख्या में समाजसेवी, गणमान्य नागरिक, महिला एवं पुरुष सदस्य उपस्थित रहे। संगठन के प्रांतीय चेयरमैन अशोक मोदी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस विशाल आयोजन की तैयारी पिछले तीन माह से लगातार की जा रही थी। विवाह हेतु ऐसे जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों का चयन किया गया, जिन्हें वास्तव में सहयोग की आवश्यकता थी। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल विवाह सम्पन्न कराना नहीं बल्कि जरूरतमंद परिवारों के जीवन में खुशियां लाना एवं समाज में सहयोग, सेवा और संस्कार की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने बताया कि संगठन द्वारा नवविवाहित दंपतियों को गृहस्थ जीवन प्रारंभ करने हेतु आवश्यक सामग्रियां भी भेंट स्वरूप प्रदान की गईं। इनमें पलंग, गद्दा, रजाई, चादर, तकिया, अलमारी, प्रेशर कूकर, घरेलू बर्तन, सूटकेस, बैग, मिठाइयां एवं फल शामिल रहे। वहीं वधुओं को पाजेब एवं बिछिया तथा वरों को शेरवानी, पगड़ी एवं दुपट्टा भेंट किया गया। इस अवसर पर संगठन के संरक्षक सियाराम अग्रवाल, जयदेव सिंघल, महेन्द्र सक्सेरिया, ईश्वर प्रसाद अग्रवाल, प्रांतीय चेयरमैन अशोक मोदी, प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुधीर बंसल, अनिल अग्रवाल, गोपाल सुल्तानिया, महामंत्री संजय अग्रवाल, पूर्व महामंत्री मनोज अग्रवाल, प्रांतीय महिला अध्यक्ष अनिता अग्रवाल, महिला उपाध्यक्ष मंजू अग्रवाल, मंगल परिणय आयोग की संयोजिका शोभा केडिया, गुंजा सुल्तानिया, ज्योति अग्रवाल सहित कोरबा से बजरंग अग्रवाल, अमरनाथ अग्रवाल, जगदीश प्रसाद अग्रवाल, भगवती प्रसाद गोयनका सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारीगण एवं सदस्य उपस्थित रहे।

कोयले से भरा ट्रेलर पलटा, दबने से दादी की मौत, बाल- बाल बचे पोते

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

घटनास्थल पर मृतका का शव।

एक युवक अपनी 55 वर्षीय दादी की तबीयत बिगड़ने पर उसे मोटरसाइकिल में बैठाकर उपचार के लिए लैंगा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आया हुआ था। जहां से इलाज कराकर मोटरसाइकिल में तीन लोग सवार होकर वापस लौट रहे थे कि लैंगा के समीप एक ट्रेलर के चालक ने अपनी ट्रेलर वाहन को तेजी एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए मोड पर ट्रेलर अनियंत्रित होकर पलट गई। कोयला लोड ट्रेलर पलटते ही मोटर साइकिल में सवार तीनों लोग दब गए। मौके पर वृद्ध महिला की दबने से मौत हो गई जबकि दो लोग घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल में दाखिल कराया गया है। पुलिस ने दुर्घटना को अंजाम देने वाले ट्रेलर चालक के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार पसान थाना क्षेत्र अंतर्गत निवास करने वाले रवि कुमार अपनी दादी बालकुंवर 55 वर्ष की तबीयत बिगड़ने पर रवि अपने मोटरसाइकिल में अपनी दादी बालकुंवर और अपने रिश्तेदार 14 वर्षीय बलदेव के साथ इलाज करने के लिए लैंगा गये हुए थे। जहां से दोपहर लगभग 12 बजे इलाज करा कर तीनों मोटरसाइकिल में अपने गृह ग्राम लौट रहे थे कि लैंगा के समीप पहुंचे थे कि एक तेज रफ्तार कोयले से भारी ट्रेलर के चालक ने तेजी एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए मोड पर अनियंत्रित हो गई पलट गई कोयले से भारी ट्रेलर के पलटने से कोयले के मलबे में रवि कुमार, बलदेव और उसकी दादी बालकुंवर दब गए। घटना के होते ही मौके पर अफरा तफरी की स्थिति निर्मित हो गई थी। स्थानिक लोगों की मदद से किसी तरह रवि कुमार और बलदेव को बाहर निकाल लिया गया लेकिन इस घटना में 55 वर्षीय वृद्ध महिला बालकुंवर की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने किसी तरह बाल कुंवर के शव को बाहर निकाला और मामले में वैधानिक कार्रवाई कर शव को परिजनों के सुपुर्द कर आरोपी चालक के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बालको ने चलाया मलेरिया जागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

वेदांता एल्यूमिनियम मेटल लिमिटेड की कंपनी बालको ने प्रोजेक्ट आरोग्य के अंतर्गत मलेरिया से बचाव के लिए जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान के माध्यम से आसपास के गांवों में रहने वाले लोगों, खासकर जरूरतमंद ग्रामीण परिवारों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने और मलेरिया की रोकथाम पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि सशक्त और स्वस्थ समुदाय ही देश के विकास की नींव हैं। प्रोजेक्ट आरोग्य के माध्यम से हम स्थानीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत कर रहे हैं। हमारा ध्यान बीमारी की रोकथाम, समय पर उपचार और लोगों की भागीदारी पर है। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और जागरूकता के जरिए हम एक मजबूत और स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में कार्य कर रहे हैं। विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर यह अभियान इस वर्ष की थीम मलेरिया का खात्मा संभव है। अब हम कर सकते हैं, अब हमें करना ही होगा के तहत चलाया गया। इसका उद्देश्य मलेरिया की शीघ्र पहचान, सही जानकारी प्रदान करना, लोगों की आदतों में सकारात्मक बदलाव लाना और गांवों तक सीधे स्वास्थ्य सहायता पहुंचाना था। प्रोजेक्ट आरोग्य के अंतर्गत पिछले एक वर्ष में 1.4 लाख से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई गई हैं। घर-घर जाकर जागरूकता अभियान, सामुदायिक बैठकों और स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से लोगों को मलेरिया के शुरुआती लक्षण जैसे बुखार, ठंड लगना और अत्यधिक पसीना आने के बारे में जानकारी दी जा रही है, ताकि समय पर जांच और उपचार सुनिश्चित हो सके। साथ ही मलेरिया से जुड़ी भ्रांतियों और गलत धारणाओं को भी दूर किया जा रहा है। बालको ने मोबाइल हेल्थ वैन भी शुरू की हैं, जिनके माध्यम से दूरस्थ गांवों तक सीधे स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। वित्त वर्ष 2026 में 25 हजार से अधिक लोगों को इसका लाभ मिला है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण जागरूकता, नियमित स्वास्थ्य जांच और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों के जरिए बालको ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने और समुदायों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए लगातार काम कर रहा है।

ग्राम पहंदा में जनसमस्या निवारण शिविर का किया गया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

सुशासन तिहार के तहत विकासखंड अंतर्गत कलस्टर ग्राम पंचायत पहन्दा में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की उपस्थिति रही। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया गया तथा विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को प्रदान किया गया। शिविर में विभागों द्वारा विभिन्न योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को प्रदान किया गया। एनआरएलएम बिहान योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट आजीविका कार्य के लिए तीन लखपति दीदी श्रीमती अंजनी कंवर (बरीडीह), श्रीमती बबीता (पहन्दा) और श्रीमती रेशम रात्रे (तिलकेजा) को सम्मान प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। पंचायत विभाग द्वारा 11 सदस्यों को जॉब कार्ड प्रदान किए गए। कृषि विभाग की शाकम्भरी योजना के अंतर्गत दो हितग्राहियों को सिंचाई पंप दिए गए। राजस्व विभाग द्वारा एक जाति प्रमाण पत्र एवं छह डिजिटल किसान किताबें प्रदान की गईं। पंचायत विभाग ने 23 हितग्राहियों को राशन कार्ड वितरित किए। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को आवास की चाबी और प्रशस्ति पत्र दिए गए। समाज कल्याण विभाग ने एक हितग्राही को व्हीलचेयर उपलब्ध कराई।

हरिभूमि
कोरबा भूमि
बिलासपुर, शनिवार 9 मई 2026

4
एचटीपीपी के झाबु राखड़ बांध की जांच करने पहुंची राउरकेला से एनआईटी के विशेषज्ञों की टीम

खबर संक्षेप

आत्मानंद स्कूल में प्रवेश के लिए लॉटरी 11 को

हरदीबाजार। अंचल स्थित शासकीय आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश हेतु लॉटरी की प्रकिया जनप्रतिनिधियों एवं पालकों की उपस्थिति में विद्यालय परिसर में 11 मई को सम्पन्न की जाएगी। प्राचार्य ने बताया कि कक्षा पहली के 50 सीट कक्षा छठवीं में रिक्त चार सीट, कक्षा दूसरी, सातवीं एवं आठवी में एक-एक सीट पर प्रवेश हेतु प्राप्त आवेदनो के आधार पर लॉटरी की प्रकिया सुबह 10 बजे से शुरू की जाएगी।

दिव्यांगजनों को निःशुल्क कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने सर्वे शुरू

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश पर जिले के दिव्यांगजनों को निःशुल्क कृत्रिम हाथ एवं पैर सहित विभिन्न सहायक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु सर्वेक्षण कार्य प्रारंभ किया गया है। यह कार्य महावीर जैन सेवा संस्थान, जयपुर के सहयोग से किया जाएगा। सर्वे के माध्यम से पात्र दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, बैसाखी, वॉकर एवं चश्मा सहित अन्य आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। कलेक्टर दुदावत ने नगर निगम, जनपद पंचायतों एवं नगरीय निकायों को पात्र हितग्राहियों की पहचान कर त्वरित सर्वे कराने के निर्देश दिए हैं। तैयार सूची को सुशासन तिहार 2026 के दौरान आयोजित शिविरों में समाज कल्याण विभाग के स्टॉल पर जमा किया जाएगा। सर्वे सूची में हितग्राही का नाम, पता, दिव्यांगता का प्रकार, प्रतिशत एवं मोबाइल नंबर सहित आवश्यक जानकारी शामिल की जाएगी। जिला कलेक्टर ने इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं, ताकि कोई भी पात्र दिव्यांगजन योजना के लाभ से वंचित न रहे।

एशियन थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप में अनुज दिखाएंगे अपना दमखम

बालको। थाई बॉक्सिंग ऑफ इंडिया के तत्वाधान में आयोजित एशियन थाई बॉक्सिंग प्रतियोगिता 8 से 11 मई तक नेपाल (पोखरा) में आयोजित होगी। जिसमें चार देशों की टीम श्रीलंका, भारत, फिलीपीन और नेपाल के खिलाड़ी हिस्सा ले रही है। थाई बॉक्सिंग एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ से कुल 5 बॉक्सर्स और 2 ऑफिसियल में अंतरराष्ट्रीय रेफरी राजेश कुमार भी टीम के साथ रवाना हो चुके हैं। जिले से ड्रेगन मार्शल आर्ट एकेडमी से अनुज अग्रवाल का चयन एशियन थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप के लिए हुआ है । जो यूथ सीनियर 57 किलोग्राम वजन वर्ग में हुआ है। साथ ही उनके कोच अजीत कुमार शर्मा ने बताया इससे पहले अनुज अग्रवाल ने 3 बार राष्ट्रीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के लिए 2 स्वर्ण और 1 रजत पदक प्राप्त किया है। उसी के आधार पर इसका चयन एशियन थाई बॉक्सिंग के लिए हुआ।

जल संरक्षण के लिए गांव में चल रहा नवा तरिया आय का जरिया अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

अलग खबर

ग्रामीण अंचलों में जल संरक्षण पर जोर देते हुए अब इस अभियान में महिलाओं को जोड़ने के लिए उनकी भागीदारी बढ़ाने एक नया अभियान शुरु किया गया है। नवा तरिया आय का जरिया इस अभियान से जल संरक्षण के साथ उससे होने वाले आय के कार्यों को भी शामिल किया गया है। जिसमें महिला समूहों को प्राथमिकता से जोड़ा जा रहा है। ग्रामीण अंचलों में इस अभियान के तैयारी के लिए बैठकों का दौर भी शुरु हो गया है।

इस अभियान के अंतर्गत नया तालाब और नदियों का निर्माण होगा। पंचायत मद से जारी होने वाली इस राशि से इन कार्यों को संपन्न कराया जाएगा। इसके अंतर्गत कार्य योजना तैयार होगी एवं मनरेगा के तहत चल रहे कार्यों को इसमें शामिल कर जल संरक्षण के कार्य किए जाएंगे तथा मांग आधारित नये कार्यों को नवा तरिया आय के अभियान से जोड़ा जाएगा। इसके अलावा आजीविका डबरी का भी निर्माण होगा। इसमें मछली पालन जैसे आर्थिक आय कार्य महिलाओं के द्वारा करवाए जाएंगे। ग्राम पंचायतों में इसके लिए महिलाओं की बैठक की जाएगी अभियान को जोर शोर से चलाने के लिए पूर्व में गठित महिला समूहों को इस अभियान से जोड़ा जा रहा है ताकि वह स्वरोजगार के अवसर विकसित कर सके। इसमें ग्रामपंचायतों से लेकर जनपद पंचायतों की भागीदारी रहेगी। इस अभियान के तहत रेन वाटर हार्वेस्टिंग कार्य को भी शामिल किया गया है। इस कार्य में शासकीय भवनों के आसपास एवं घरों में भी बरसात के पानी को संरक्षित करने की दिशा पर छोटे छोटे रेन वाटर हार्वेस्टिंग पीट का निर्माण किया जाएगा। पंचायतों में छोटी छोटी डबरी के निर्माण को लेकर मनरेगा से राशि जारी की जाएगी। बरसात के पूर्व इस अभियान को ग्राम पंचायतों में शुरु कर दिया गया है। ताकि 15 जून से मानसून के दस्तक के साथ ही नवा तरिया आय का जरिया अभियान की शुरुआत हो सके।

महिलाओं की भागीदारी को दिया जाएगा बढ़ावा

खास बातें

- जल संरक्षण के लिए शुरु हुआ ग्रामीण अंचलों में काम
- पंचायत मद से तालाब का होगा निर्माण

महिला समूहों को किया गया सक्रिय

एनआरएलएम के द्वारा ग्रामीण अंचलों में गठित किए गए महिला स्व सहायता समूहों को सक्रिय किया जा रहा है। ताकि इस समूह की महिलाएं पूर्व में किए अपने स्वरोजगार के कार्यों को इस अभियान में शामिल कर उन्हें नए सिरे से आगे बढ़ाया जा सके इसके लिए उन्हें पूर्व में जिला पंचायत में प्रशिक्षण दिया जा चुका है। अधिकांश महिला समूह अधिक से अधिक स्वरोजगार के कार्यों को अपने बिहान योजना के तहत आगे बढ़ाया था। जिसमें उन्हें एक बड़ी सफलता मिली थी।

शाला पोषक अभियान की होगी फिर से शुरुआत

कॉलेजों में छात्रों की दर्ज संख्या बढ़ाने प्राध्यापकों को जाना पड़ेगा स्कूलों में

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले के कॉलेजों में छात्रों की घटती दर्ज संख्या चिंता का विषय बनी हुई है। विशेषकर शासकीय कॉलेजों में इसको लेकर विश्वविद्यालय के निर्देश पर शाला पोषक अभियान चलाया जाता है। इस अभियान के अंतर्गत कॉलेजों के प्राध्यापकों को अपने समीप के हाय सेकेंडरी स्कूलों में जाकर वहां के छात्रों को कॉलेजों की पढ़ाई, संचालित विषय और संसाधनों की जानकारी से अवगत कराना होगा। इस अभियान के तहत भैसमा कॉलेज में छात्रों की दर्ज संख्या बीते दो वर्षों में बढ़ी है।

बीते दो वर्ष से विश्वविद्यालय के द्वारा शाला पोषक अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान के अंतर्गत शासकीय कॉलेजों के आसपास के क्षेत्र में चलने वाले हाई सेकेंडरी स्कूलों में जाकर वहां के छात्रों को अपने कॉलेजों में प्रवेश के लिए जागरुक करने के साथ कॉलेज में मौजूद संसाधन और संचालित विषय के साथ पढ़ाई की तकनीकी जानकारी से अवगत कराया जाता है। ताकि उन स्कूलों के छात्र क्षेत्र में ही संचालित शासकीय कॉलेजों में प्रवेश ले सकें। बीते दो वर्ष से चल रहे इस अभियान के तहत ग्रामीण अंचल में चलने वाले कुछ शासकीय कालेजों को सफलता मिली है। इनमें भैसमा कॉलेज प्रमुख है, छात्रों की दर्ज संख्या यहां ग्रामीण अंचलों में संचालित अन्य शासकीय कॉलेजों की तुलना में अधिक है और पिछले कुछ वर्षों में शासकीय कॉलेज भैसमा अपने तमाम संसाधनों को विकसित किया है। खेल की सुविधाएं बढ़ने के साथ यहां लाइब्रेरी की सुविधाएं भी शुरु होने लगी है। जबकि करतला, रामपुर के साथ फरसवानी में महाविद्यालय संचालित होने लगे हैं किंतु इन कॉलेजों के अपने स्वयं के भवन नहीं होने के कारण संचालन में व्यवहारिक कठिनाईयां खड़ी हो रही है। शासकीय कॉलेज भैसमा के अलावा पाली महाविद्यालय में भी दर्ज संख्या कुछ वर्षों में बढ़ी है किंतु उस दृष्टि से दर्ज संख्या में इजाफा नहीं हुआ जैसा होना चाहिए था। शाला पोषक अभियान के तहत स्कूलों में जाने वाले प्राध्यापकों को कई जगह तो उनके कॉलेजों में संचालित साइंस के छात्र ही नहीं मिले।

फाइल फोटो

खास बात

- भैसमा महाविद्यालय की दो वर्ष में बढ़ी छात्रों की दर्ज संख्या

जब भवन ही नहीं तो कैसे चले अभियान

शासकीय कॉलेजों के सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि उनका अपना स्वयं का भवन नहीं है और स्वयं कक्षाओं का संचालन उधार के भवन में हो रहा है ऐसे में दर्ज संख्या बढ़ाने के लिए शाला पोषक अभियान कैसे चलाए जाए यह समस्या ग्रामीण अंचलों में शुरु हुए नवीन शासकीय महाविद्यालय प्रबंधन के सामने है। इनमें बांकीमोंगरा, रामपुर, फरसवानी, जटगा कॉलेज प्रमुख हैं जिन्हें अब तक स्वयं का भवन नहीं मिला है। बांकीमोंगरा कॉलेज में छात्रों की दर्ज संख्या बढ़ी है आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों के छात्र प्रवेश लेने लगे हैं।

पाली के अधिकांश छात्र जाते हैं बिलासपुर

जिले का पाली ब्लॉक कोरबा जिला मुख्यालय और बिलासपुर जिला मुख्यालय के मध्य स्थित है। यहां के अधिकांश छात्र महाविद्यालय में प्रवेश लेने के लिए बिलासपुर जिला के कॉलेजों को पहली प्राथमिकता देते हैं। उनका मानना है कि बिलासपुर कॉलेजों में प्रवेश लेने के साथ कोचिंग संस्थानों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की सुविधा भी मिल जाएगी और महाविद्यालयों में अन्य प्रकार के चलने वाले पाठ्यक्रमों की जानकारी मिल सकेगी। यही कारण है कि क्षेत्र के अधिकांश छात्र 12वीं के परीक्षा के बाद बिलासपुर का रुख करते हैं।

अधिकारियों के दौरे के बाद दो नंबर प्लेटफार्म में शुरु हुई पानी की सुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

रेलवे स्टेशन में दो नंबर प्लेटफार्म से यात्री ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों के सामने गर्मी के दिनों में पेयजल की समस्या बनी रहती थी। कुछ दिन पूर्व अधिकारियों के दौरे के बाद स्थानीय रेलवे प्रबंधन ने दो नंबर प्लेटफार्म में पानी की सुविधा उपलब्ध करायी है। गर्मी के दिनों में अधिकारियों के दौरे के बाद ही पानी की सुविधा शुरु कराने से स्थानीय रेलवे अधिकारियों की लापरवाही भ उजागर होती है।

केंद्र सरकार की अमृत भारत योजना अंतर्गत सभी रेलवे स्टेशनों का सौंदर्यीकरण करने के बाद विभिन्न तरह के निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। इन निर्माण कार्यों में कोरबा रेलवे स्टेशन शामिल हैं। हालांकि यहां के कार्यों में प्रगति नहीं आ पा रही है। निर्माण कार्यों की वजह से दो नंबर प्लेटफार्म में पानी की सप्लाई बाधित हो गई थी जबकि दो नंबर प्लेटफार्म से यात्रीगाड़ी रवाना होती है। गर्मी के मौसम शुरु होने के बाद भी दो नंबर प्लेटफार्म से यात्रा करने वाले यात्रियों को पानी की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के मुद्दे को लेकर संघर्ष समिति के द्वारा विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया गया था। पिछले दिनों एडीआरएम का कोरबा रेलवे स्टेशन में दौरा होने के दौरान उनके निरीक्षण में भी यह बात सामने आयी थी और उसके बाद दो नंबर प्लेटफार्म में पानी सप्लाई शुरु की गई है। इस कार्य को शुरु हुए 20 दिन हुए हैं उसके पूर्व तक पानी सप्लाई बंद होने के बाद यात्रियों को भटकना पड़ता था। कोरबा रेलवे स्टेशन के अलावा मार्ग में स्थित अन्य रेलवे स्टेशनों में भी यही स्थिति देखी जा रही है। गर्मी के दिनों में पानी का संकट बना हुआ है। इधर रेलवे प्रबंधन के द्वारा पानी की सुविधा उपलब्ध कराने योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। किंतु छोटे रेलवे स्टेशनों में जल संकट की समस्या बनी हुई है।

खास बात

- अमृत भारत योजना के तहत रेलवे स्टेशन में चल रहा निर्माण कार्य

नव विवाहिता ने नवजात बालक को दिया जन्म संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, जांच में जुटी पुलिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एक नवविवाहित महिला को प्रसव पीड़ा होने पर परिजनों ने उसे उपचार के लिए रेकी स्थित स्थानीय अस्पताल में दाखिल कराया था जहां महिला ने स्वस्थ बच्चे को जन्म भी दिया था लेकिन रात के समय अस्पताल में ना ही कोई नर्स थी ना ही कोई चिकित्सक, इस दौरान महिला को अत्यधिक रक्तस्त्राव हुआ जिसके बाद उसे गंभीर अवस्था में उपचार के लिए जिला मेडिकल हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया। जहां इलाज के दौरान नव विवाहिता की मौत हो गई है।

मामले में पुलिस ने वैधानिक कार्यवाही कर शव को परिजनों के सुपुर्द कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार हरदीबाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रेकी निवासी अनिल पटेल की शादी संगीता पटेल से वर्ष 2021 में हुई थी और संगीता पटेल पिछले कुछ महीनों से गर्भवती थी। 7 मई को संगीता पटेल को दर्द होने पर अनिल पटेल व उसके परिवार के सदस्यों ने संगीता को उपचार के लिए रेकी स्थित स्थानीय अस्पताल में दाखिल कराया था जहां संगीता ने एक स्वस्थ बालक को जन्म दिया था। इस बीच रात को संगीता अस्पताल में भर्ती थी और अस्पताल में ना कोई चिकित्सक था और ना ही कोई नर्स थी। इस दौरान संगीता को अत्याधिक रक्तस्त्रसारा हुआ जिसके बाद परिजनों ने संगीता को उपचार के लिए हरदीबाजार स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दाखिल कराया था जहां उसकी बिगड़ती हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे मेडिकल अस्पताल रेफर कर दिया था और मेडिकल अस्पताल पहुंचने के कुछ देर बाद ही संगीता पटेल की मौत हो गई है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरु कर दी है।

संगीता के परिजनों के मुताबिक रात के समय अस्पताल में यदि डॉक्टर होते तो संगीता की मौत नहीं होती। परिजनों ने बताया कि अत्यधिक रक्तस्त्राव की वजह से संगीता की मौत हुई है। वहीं पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतका

कुसमुंडा के आदर्श नगर का आरओ फिल्टर फिर बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

गर्मी के बढ़ते प्रकोप के बीच आदर्श नगर कॉलोनी के पास स्थापित आरओ फिल्टर मशीन एक बार फिर खराब हो गई है, जिससे स्थानीय लोगों के साथ-साथ आसपास के गांवों के नागरिकों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बताया जा रहा है कि कुछ समय पहले आरओ फिल्टर मशीन खराब हो गई थी, जिसकी खबर प्रसारित होने के बाद एसईसीएल प्रबंधन द्वारा लगभग 80 हजार खर्च कर मशीन की मरम्मत कराई गई थी। मरम्मत के बाद लोगों को उम्मीद थी कि अब उन्हें नियमित रूप से शुद्ध पेयजल मिल सकेगा लेकिन महज तीन दिन के भीतर ही मशीन दोबारा बंद हो गई। यह आरओ फिल्टर मशीन क्षेत्र के लोगों के लिए शुद्ध पेयजल का प्रमुख स्त्रोत बनी हुई थी। केवल आदर्श नगर कॉलोनी ही नहीं, बल्कि दूर-दराज के गांवों से भी लोग यहां पानी लेने पहुंचते थे। मशीन के चालू रहने से लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होता था, जिससे गर्मी के मौसम में जलजनित बीमारियों से बचाव में भी मदद मिलती थी। वर्तमान में भीषण गर्मी और तापमान बढ़ने के कारण शुद्ध पेयजल की आवश्यकता सबसे अधिक है। ऐसे समय में आरओ फिल्टर का बंद होना लोगों के लिए बड़ी समस्या बन गया है। लोगों को मजबूरन अन्य स्त्रोतों से पानी लेना पड़ रहा है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी बढ़ सकते हैं। कॉलोनीवासियों एवं स्थानीय नागरिकों ने एसईसीएल प्रबंधन और संबंधित अधिकारियों से जल्द से जल्द आरओ फिल्टर मशीन की स्थायी रूप से मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि क्षेत्र के लोगों को पुनः स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके।

खास बात

- कालोनीवासियों को शुद्ध पेयजल के लिए हो रही परेशानी

बंद पड़ा आरओ फिल्टर प्लांट।

पांडुलिपियों का कालखंड अनुमानतः 15 वीं से 19 वीं शताब्दी के मध्य का माना जा रहा

श्रीराम गुफा मंदिर सीतामढ़ी में प्राप्त हुई 14 दुर्लभ पांडुलिपियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

ज्ञानभारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान के अंतर्गत सीतामणी स्थित प्राचीन एवं आस्था के प्रमुख केंद्र श्रीराम गुफा मंदिर में जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में ज्ञानभारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान की ज्ञानभारतम दूत युवा टीम द्वारा विस्तृत सर्वेक्षण किया गया। वर्षों से साधना, श्रद्धा एवं सांस्कृतिक निरंतरता का केंद्र रहा यह स्थल आज पुनः एक नई पहचान के साथ उभरकर सामने आया, जब यहां 14 अत्यंत दुर्लभ एवं प्राचीन पांडुलिपियों का प्राप्त होना सुनिश्चित हुआ।

मंदिर के पुजारी दुकालू श्रीवास द्वारा इन पांडुलिपियों को अत्यंत श्रद्धा एवं सावधानी के साथ वर्षों से संरक्षित रखा गया है। उन्होंने बताया कि ये पांडुलिपियां उन्हें उनके पिता से प्राप्त हुई थीं, जिन्हें उनके पूर्वजों द्वारा सहेजकर रखा गया था। इस प्रकार यह अनमोल धरोहर पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होती रही है, जो भारतीय पारिवारिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों की सजीव परंपरा को भी दर्शाती है। प्राप्त पांडुलिपियों का अध्ययन करने पर ज्ञात हुआ कि इनमें ओड़िया भाषा का प्रयोग किया गया है। इनकी लिपि की प्रमुख विशेषता इसके गोलाकार अक्षर हैं, जिन्हें 'मुंडिया' कहा जाता है। विद्वानों के अनुसार प्राचीन काल में ताड़पत्रों पर लेखन के दौरान उनकी संरचना को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से सीधी रेखाओं के स्थान पर गोलाकार अक्षरों का विकास किया गया, जिससे पत्तों की नसें फटने से बच सकें। इन पांडुलिपियों का कालखंड अनुमानतः 15 वीं से 19 वीं शताब्दी के मध्य का माना जा रहा है। विशेष उल्लेखनीय तथ्य यह है कि इन पांडुलिपियों के दोनों पक्षों (आगे एवं पीछे) पर लेखन अंकित है, जो उस काल की लेखन शैली एवं ज्ञान परंपरा की विशिष्टता को दर्शाता है। इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से ज्ञानभारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान के जिला समन्वयक द्वारा मंदिर के पुजारी को उनके अमूल्य योगदान एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए मोमेंटो, शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया।

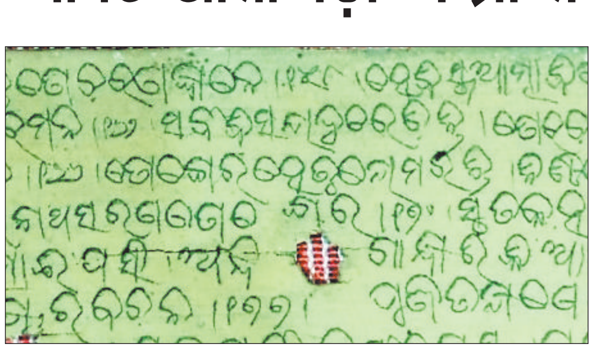
दुर्लभ एवं प्राचीन पांडुलिपियां।

खबर संक्षेप

उद्योग मंत्री आज लेंगे दर्री व सर्वमंगला जोन की समीक्षा बैठक

कोरबा। श्रम व उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन 9 मई को अपरांह 3 बजे नगर निगम के पं.जवाहरलाल नेहरू सभागार स्थित एमआईसी कक्ष में निगम के दर्री जोन एवं सर्वमंगला जोन के विकास व निर्माण कार्यों व अन्य विभागीय कार्यों की वार्डवार समीक्षा करेंगे। समीक्षा बैठक में महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, आयुक्त आशुतोष पाण्डेय सहित संबंधित वार्ड के पार्षद अपनी उपस्थिति प्रदान करेंगे। उल्लेखनीय है कि उद्योग मंत्री श्री देवांगन निगम के विकास कार्यों की कार्यप्रगति की लगातार जोन व वार्डवार समीक्षा कर रहे हैं, विगत दिनों कोरबा व टीपी नगर जोन के कार्यों की समीक्षा उनके द्वारा की गई थी।

ग्राम बसीबार में आयोजित सुशासन तिहार में प्राप्त हुआ 211 आवेदन

हरदीबाजार। पाली विकासखंड के ग्राम बसीबार में आयोजित सुशासन तिहार जन समस्या निवारण शिविर में शामिल होकर क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनी एवं संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस शिविर के माध्यम से बसीबार सहित कुल 11 पंचायतों के ग्रामीणों को शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने एवं उनकी समस्याओं के समाधान का कार्य किया गया। शिविर में प्राप्त 211 से अधिक आवेदनों में से 127 से ज्यादा आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया, साथ ही हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सामग्री का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा शोभा सिंह जगत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि मुकेश जायसवाल, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती माया रूपेश कंवर सरपंच श्रीमती कंचन कंवर, जनपद सदस्य मनोज कंवर, जनपद सदस्य विजय प्रभात सरपंच रजनीश मरावी उप सरपंच देवेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं हितग्राही उपस्थित रहे।

विशेषज्ञों की टीम ने शुरु की तकनीकी जांच, रिपोर्ट आने के बाद होगा खुलासा

एचटीपीपी के झाबु राखड़ बांध की जांच करने पहुंची राउरकेला से एनआईटी के विशेषज्ञों की टीम

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एचटीपीपी संयंत्र के झाबू स्थित राखड़ बांध के तट बंध क्षतिग्रस्त होने व एक मजदूर की मौत के मामले ने अब एक नया मोड़ ले लिया है। एनआईटी राउरकेला के विशेषज्ञों की एक उच्च स्तरीय टीम कोरबा पहुंची और झाबू स्थित राखड़ बांध पहुंचकर उसकी सघन और तकनीकी जांच शुरु कर दी है। एनआईटी द्वारा मामले की जांच किए जाने से संयंत्र प्रबंधन के अधिकारियों और संबंधित ठेकेदारों में हड़कंप मच गया है। एनआईटी की टीम बांध टूटने की जांच कर अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी जिसके बाद दोषी अधिकारियों व ठेकेदारों पर कार्यवाही की गाज गिर सकती है।

खास बात

- एचटीपीपी संयंत्र का मामला, राखड़ डेम फूटने से एक मजदूर की हुई थी मौत

फाइल फोटो

प्रदेश की ऊर्जाधानी कोरबा में बिजली संयंत्रों से निकलने वाली राख के निपटान और राखड़ डैम के निर्माण में बरती गई कथित अनियमितताओं की परतें अब खुलने वाली हैं। एनआईटी राउरकेला के विशेषज्ञों की एक उच्च स्तरीय टीम ने कोरबा पहुंचकर सीएसईबी के झाबु राखड़ बांध की सघन तकनीकी जांच शुरू कर दी है। एनआईटी की टीम विशेष रूप से झाबु राखड़ बांध के तकनीकी मापदंडों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। जांच में जिन बिंदुओं को शामिल किया गया है उसमें झाबु बांध अपनी निर्धारित क्षमता को काफी पहले ही पार कर चुका है। टीम यह आकलन कर रही है कि वर्तमान में इसमें कितनी राख डंप है और क्या इसे असुरक्षित तरीके से ओवरलोड किया गया है। बांध की वर्तमान ऊंचाई क्या निर्धारित मापदंडों के भीतर है? क्षमता से अधिक ऊंचाई और दबाव भविष्य में किसी बड़े हादसे या बांध टूटने का सबब बन सकता है। क्या झाबु बांध का विस्तार और निर्माण मूल ड्राइंग के अनुसार हुआ है? आरोप हैं कि लागत कम करने और ज्यादा राख खपाने के चक्कर में डिजाइन के साथ खिलवाड़ किया गया है। एनआईटी की टीम यह भी जांच करेगी बांध के तटबंधों के निर्माण में मानक मटेरियल का उपयोग हुआ है या नहीं? दरअसल घटिया सामग्री का उपयोग ही अक्सर तटबंधों के दरकने और राख के रिसाव का मुख्य कारण बनता है। सूत्रों की मानें तो झाबु सहित अन्य राखड़ बांधों की दीवारें टूटना और राख का रिहायशी इलाकों व नदी-नालों में बहना एक गंभीर समस्या बन चुकी है। शिकायतें रही हैं कि अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत से यूटिलाइजेशन के नाम पर करोड़ों का वारा-न्यारा किया गया है। एनआईटी की यह तकनीकी जांच अब 'दूध का दूध और पानी का पानी' कर देगी।

तकनीकी खामियां और भ्रष्टाचार का होगा खुलासा

जैसे ही एनआईटी के विशेषज्ञों की टीम ने मौके पर पहुंचकर सैंपल लेने और दस्तावेजों की जांच शुरू की। संयंत्र प्रबंधन के जिम्मेदार अधिकारियों के हाथ-पांव फूलने लगे हैं। यदि जांच रिपोर्ट में तकनीकी खामियां और भ्रष्टाचार की पुष्टि होती है, तो कई बड़े नामों पर गाज गिरना तय माना जा रहा है। यह जांच न केवल बांध की मजबूती स्पष्ट करेगी बल्कि पर्यावरण नियमों की अनदेखी करने वाले रसूखदारों की पोल भी खोलेगी।

चार फल तोड़ने के नाम पर देवर ने भाभी पर लाठी से किया जानलेवा हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जमीन विवाद को लेकर लंबे समय से देवर भाभी में विवाद चल रहा था। इस बीच जिस जमीन पर चार का पेड़ लगा था उस पेड़ से चार फल और तोड़ने के नाम पर देवर भाभी के बीच जमकर कहासुनी हो गई थी और देखते ही देखते दोनों में विवाद इतना बढ़ गया कि देवर ने अपनी सगी भाभी पर लाठी से सिर पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। भाभी को गंभीर अवस्था में उपचार के लिए गौरेला पेंड्रा स्थित अस्पताल में दाखिल कराया गया है। पुलिस ने मामले में देवर के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार का न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। मामला पसान थाना क्षेत्र के ग्राम बैरा की है यहां निवासरत उर्मिलाबाई साव उम्र 51 वर्ष पर उसके सगे देवर जान सिंह साव उम्र 55 वर्ष ने लाठी से पीट-पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। बताया जाता है कि उर्मिला को उपचार के लिए पड़ोसी जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही के अस्पताल में दाखिल कराया गया है। पसान थाना प्रभारी के मुताबिक जिस जमीन पर चार पेड़ लगा हुआ है उसी जमीन पर देवर भाभी के बीच लंबे समय से विवाद चला आ रहा था और चार फल तोड़ने के नाम पर दोनों के बीच फिर से विवाद हुआ था और विवाद बढ़ने पर जान सिंह ने अपनी भाभी उर्मिला बाई साव पर लाठी से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया है। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

खास बात

- पसान थाना क्षेत्र के ग्राम बैरा का मामला

आरोपी

जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद की बैठक 11 को

कोरबा। जिला खनिज संस्थान न्यास कोरबा की शासी परिषद की बैठक 11 मई को दोपहर 2 बजे कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर सह अध्यक्ष, जिला खनिज संस्थान न्यास कोरबा द्वारा की जाएगी। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत डीएमएफ से संचालित विकास एवं जनकल्याण कार्यों सहित विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी। जिला खनिज संस्थान न्यास के शासी परिषद के माननीय सदस्यों को बैठक में निर्धारित समय पर उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है।

तेंदूपत्ता तोड़ने गए दो ग्रामीणों पर भालू ने किया हमला

कोरबा। वनांचल क्षेत्र में तेंदूपत्ता तोड़ने का काम जोरों पर है वहीं दो ग्रामीण अलग-अलग गांव से तेंदूपत्ता तोड़ने जंगल गए हुए थे। इस दौरान उनका सामना भालुओं से हो गया और भालुओं ने दोनों ग्रामीणों को बुरी तरह से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया है। दोनों को उपचार के लिए मेडिकल हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया है। जानकारी के अनुसार कोरबा वनमंडल के करतला वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बड़मार निवासी गोपाल सिंह 58 वर्ष व ग्राम पीडिया निवासी कन्हैयालाल पटेल 47 वर्ष शुक्रवार की सुबह अपने अन्य साथियों के साथ पास के जंगल में तेंदूपत्ता तोड़ने गए हुए थे। दोनों ग्रामीण दोपहर को तेंदूपत्ता तोड़कर वापस अपने घर लौट रहे थे कि इस दौरान बीच रास्ते में दोनों का सामना भालुओं से हो गया। जहां भालू ने दोनों ग्रामीणों के ऊपर हमला कर दिया ग्रामीणों की चीख पुकार सुनकर अन्य सहकर्मी मौके पर पहुंचे और भालू को किसी तरह जंगल की ओर खदेड़ा। जिसके बाद गोपाल सिंह व कन्हैयालाल को उपचार के लिए उपचार के लिए मेडिकल हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया है।

हरिभूमि बिलासपुर संभाग नं. 1 आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें

टी.पी. नगर बी. ब्लॉक कामर्शियल काम्पलेक्स, कोरबा मो. 7049267780

नियम एवं शर्तें :- ❖ यह सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार योजना 1 मई 2026 से 31 दिसम्बर 2026 की अवधि के लिए है । ❖ हरिभूमि के नये एवं पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं। ❖ महालक्की ड्रा. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा। ❖ इस योजना अवधि में हरिभूमि समाचार पत्र में कुल 50 कूपन (35 सामान्य कूपन एवं 15 मास्टर कूपन) प्रकाशित किये जाएंगे। ❖ योजना में भाग लेने के लिये पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फार्मेट पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 50 कूपनों में से कुल 30 कूपन (20 सामान्य एवं 10 मास्टर कूपन) चिपकाने होंगे। ❖ फोटोकॉपी या कटे-फटे कूपन व फार्मेट मान्य नहीं होगे । ❖ राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। ❖ सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार योजना के विजेता को आयकर के नियम व शर्तें मान्य होगी । ❖ हरिभूमि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। ❖ किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रायपुर (छ.ग.) होगा। ❖ चित्र में दर्शाए गए उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं । ❖ हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते ।

आज ही हरिभूमि की प्रति बुकिंग करायें

हरिभूमि कार्यालय : गौरव पथ, रिंग रोड नं. - 2, बिलासपुर (छ.ग.)

फोन : 07752-401052, मो. 7000789166